रंगमोहल उतर दिशा की शोभा

पुखराज पहाड़
अधबीच का कुण्ड

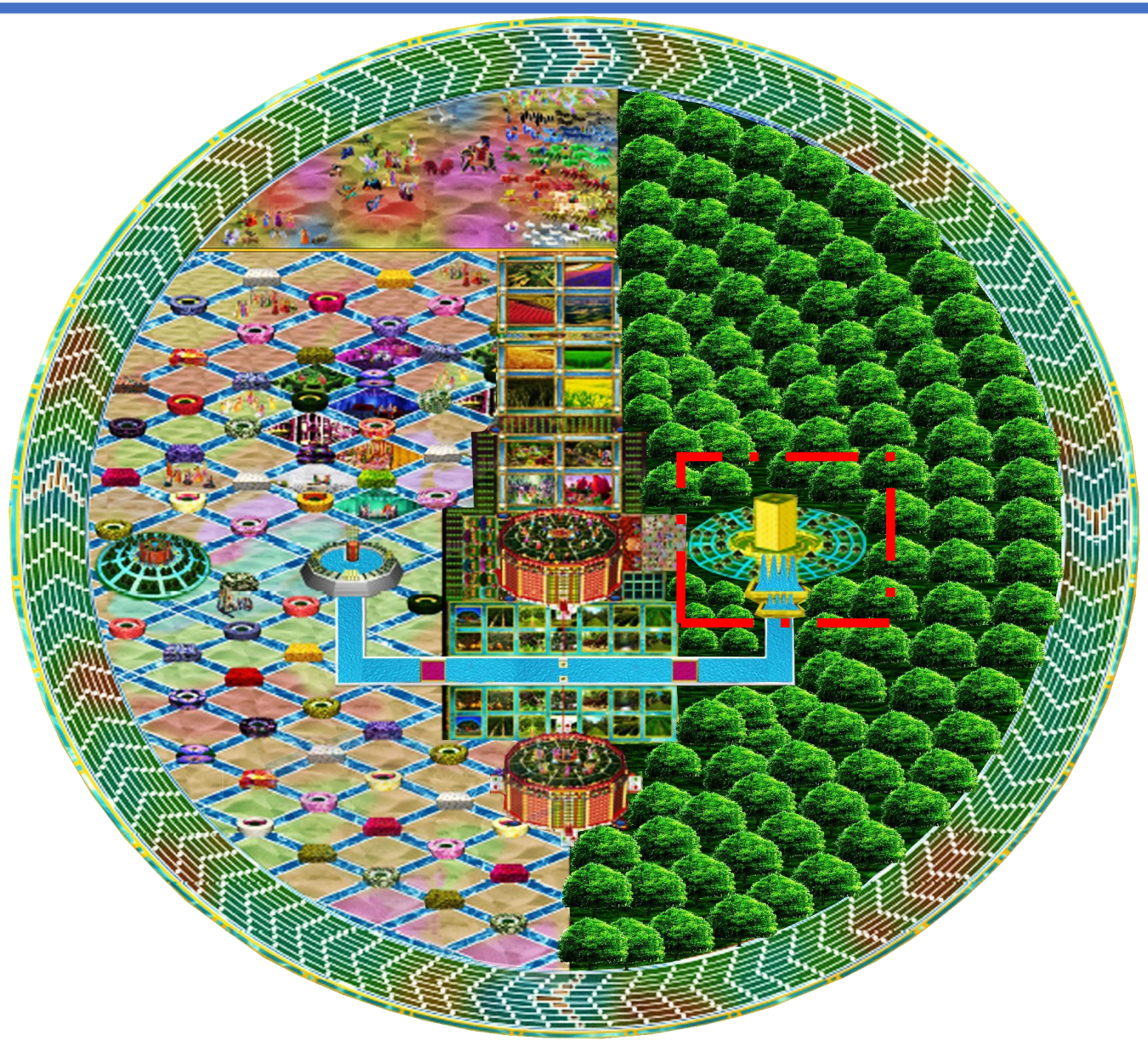

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

पुखराज पहाड़
अधबीच का कुण्ड

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा– बंगलजी की शोभा

- पुखराज पहाड़
- पश्चिम की धाटी
- उतर की धाटी
- दक्षिण की नहेर
- बंगलाजी
- ✓ अधबीच का कुण्ड
- ढपो चबूतरा
- मूल कुण्ड

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – बंगलजी की शोभा

रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा – बंगलजी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

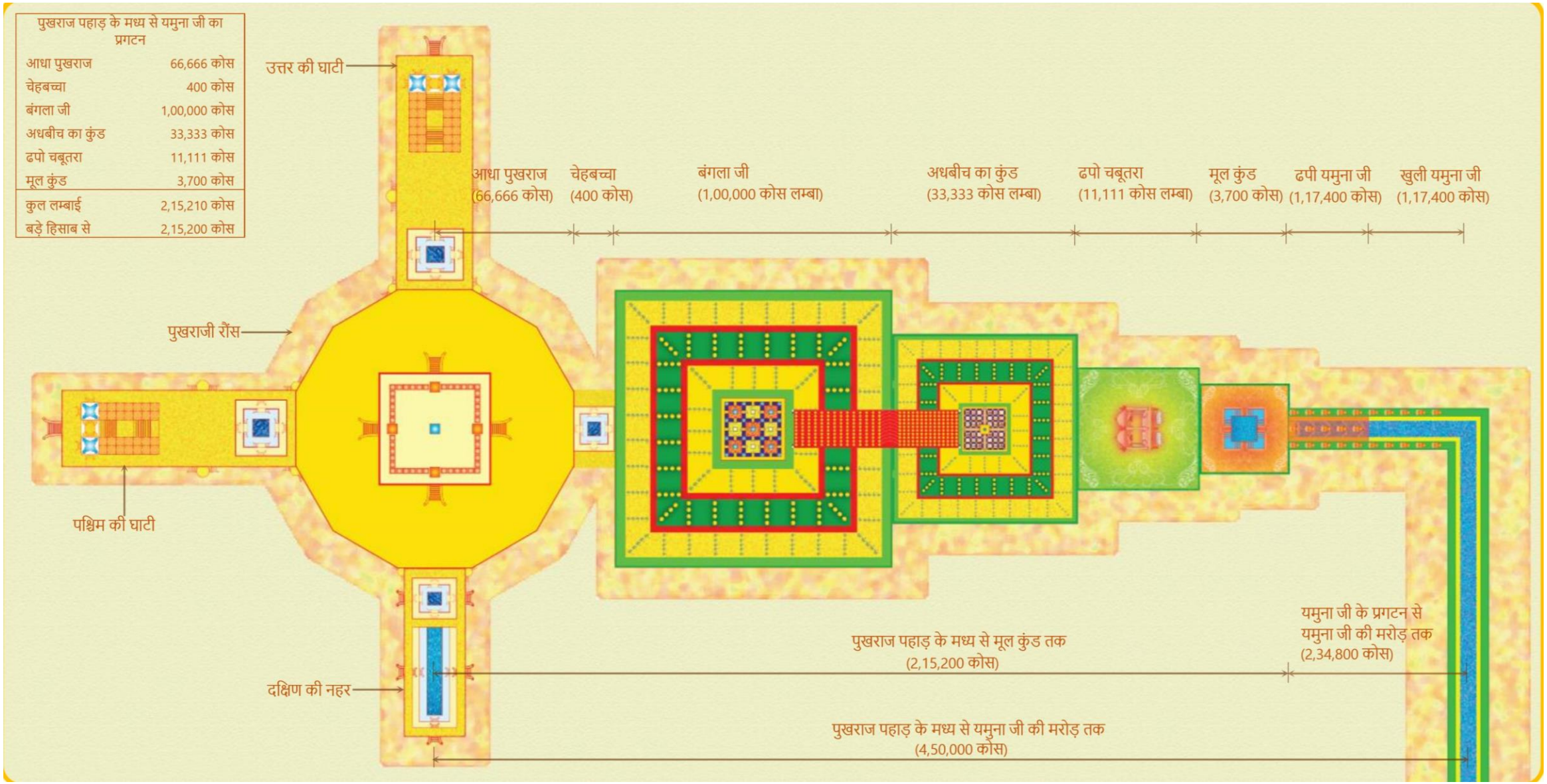

रंगमोहल उत्तर दिशा की शोभा – पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

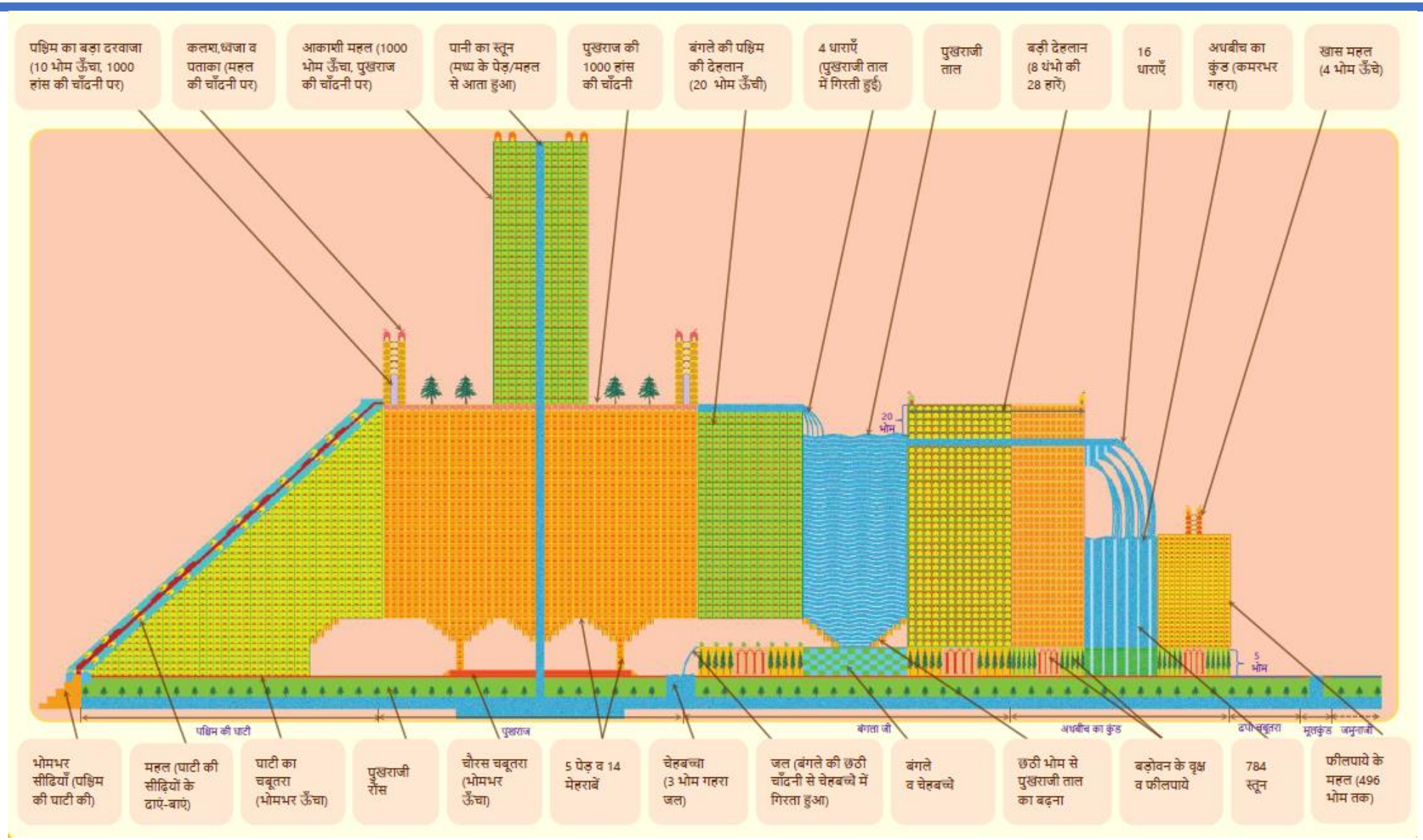

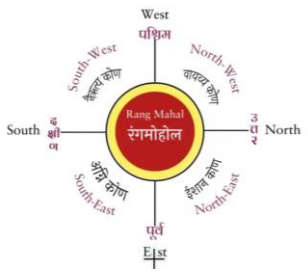

रंगमोहल उतर दिशा की शोभा – अधबीच का कुण्ड की शोभा

अधबीच का कुण्ड

33,300 कोस लंबा – चोड़ , 332 हांस

- तलहटी – 1 भोम नीचे
  - महल - 10 हारें
  - बगीचा - 11 हारें
  - ताल – 11,200 कोस लंबा – चोड़
- चबूतरा – 1 भोम ऊपर (5th भोम तक)
  - गूर्ज
  - सीडियाँ
  - बड़ों वन के वृक्ष – 5 हारें , 1 भोम – 5 भोम बराबर
  - फिलपायों – 4 हारें,1 भोम – 5 भोम बराबर
  - बगीचों : 27 बगीचों की 27 हारें
  - नहेर: 28 नहेर की 28 हारें
  - चहबच्चे , फव्वारे & फिलपायों/स्तून – 28 थंभो की 28 हारें
  - मध्य की चबूतरा & पानी का स्तून
- 6th भोम
  - कुण्ड/ताल , मध्य का चबूतरा, फिलपायों – 28 थंभो की 28 हारें
  - फिलपायों के महल
  - मधुवन
- 497th भोम की चादनी
  - अधबीच का कुण्ड
  - खास महल – 4 भोम , 6th चादनी
  - 16 धारायें
  - बड़ों वन
  - पचिम की देहलान – 8 थंभो की 14 हारें

अधबीच का कुण्ड - तलहटी की शोभा

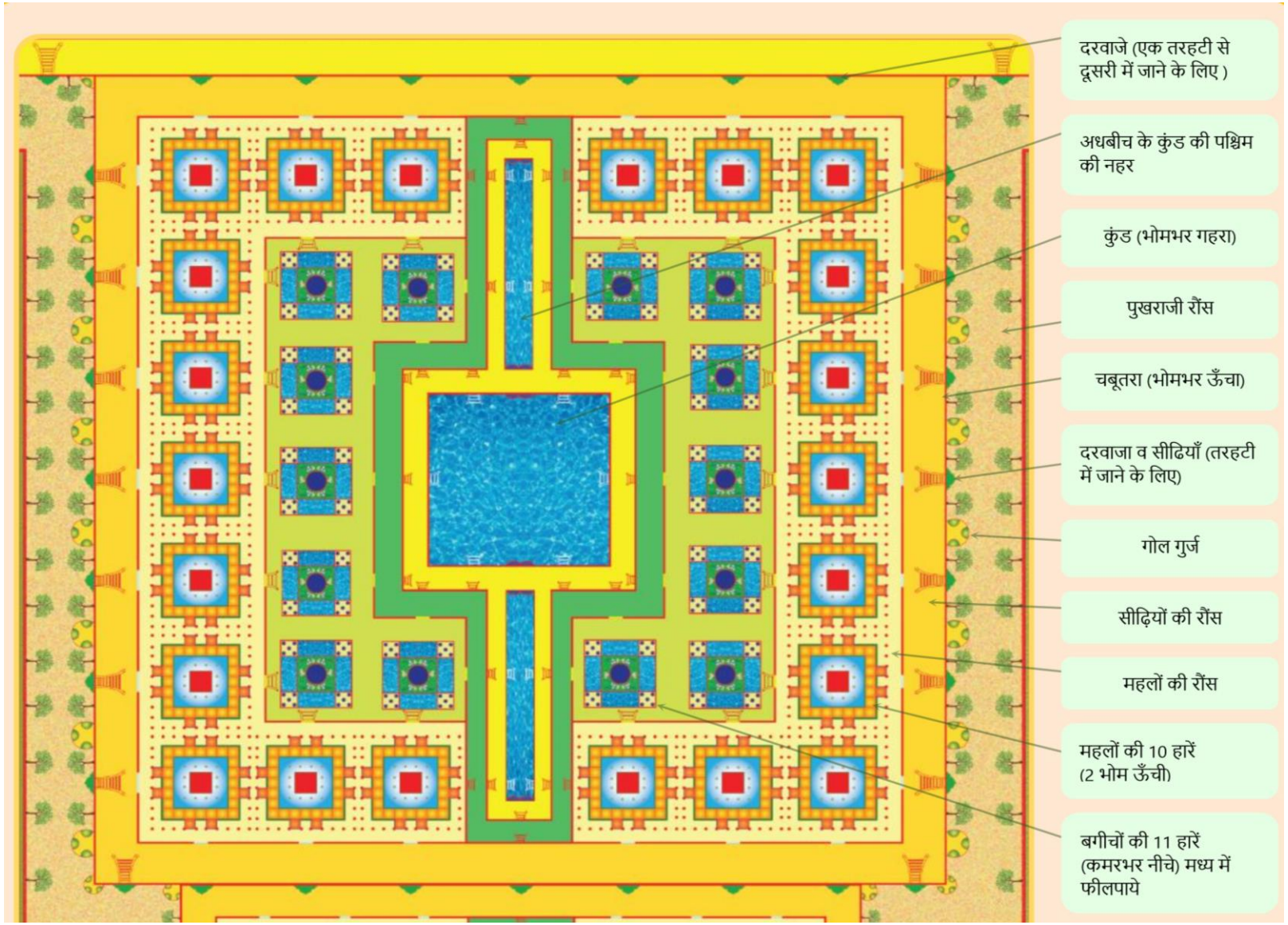

तलहटी – 1 भोम नीचे

- महल - 10 हारें
- बगीचा - 11 हारें
- ताल – 11200 कोस लंबा – चोड़
- नहेर – 2, पूर्व & पचिम
- सिडिया – भोम पर

अधबीच का कुण्ड – तलहटी की शोभा

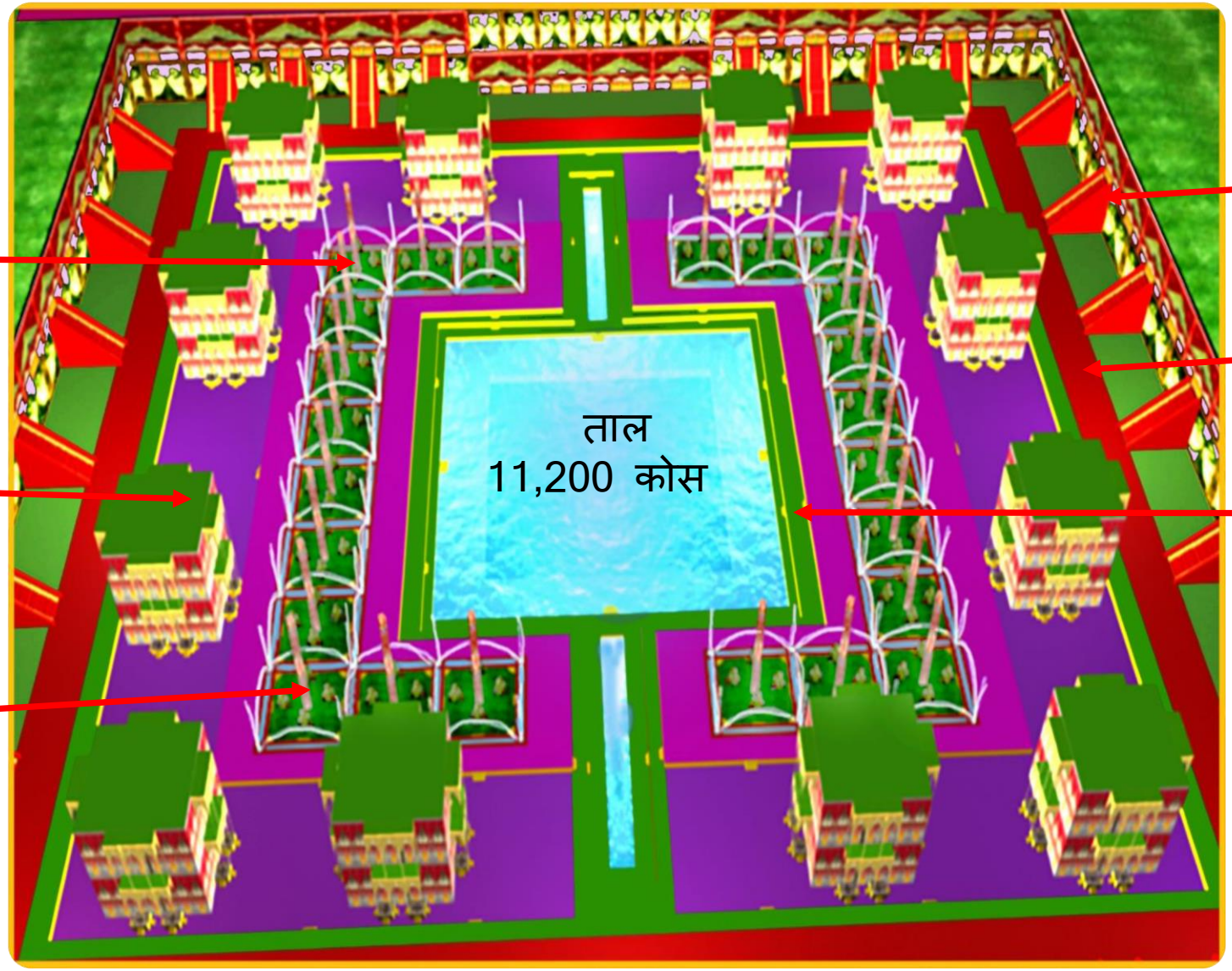

अधबीच का कुण्ड – चबूतरा की शोभा (5 भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

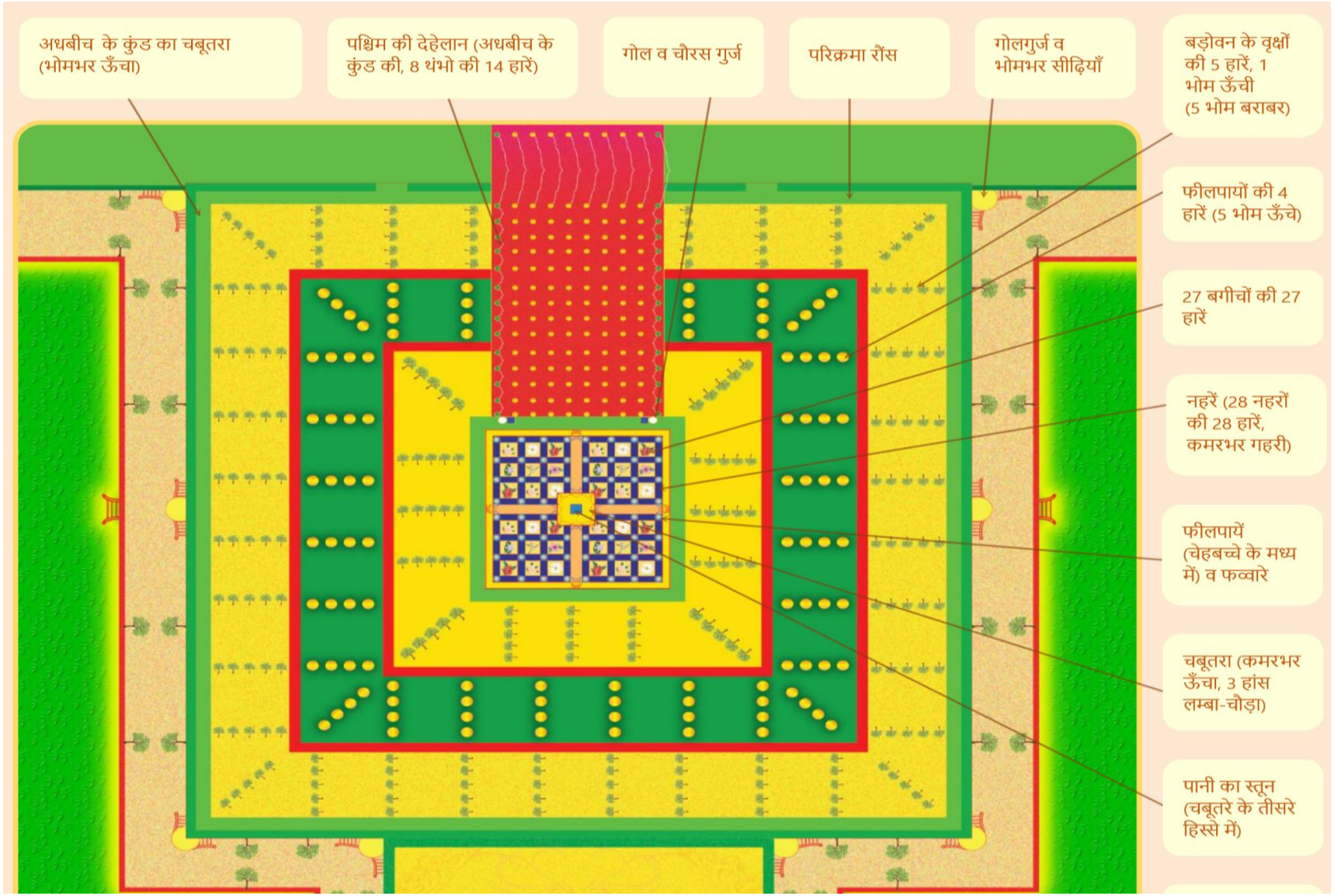

चबूतरा – 1 भोम ऊपर (5th भोम तक)

- परिक्रमा रौंस
- गुर्ज
- सीढ़ियाँ
- बड़ों वन के वृक्ष – 5 हारें , 1 भोम – 5 भोम बराबर
- फिलपायों – 4 हारें,1 भोम – 5 भोम बराबर
- बगीचों : 27 बगीचों की 27 हारें
- नहरे – 28 नहेर की 28 हारें
- चहबच्चे , फव्वारे , फिलपायों/स्तून – 28 x 28, 784
- मध्य की चबूतरा & पानी का स्तून
- पचिम की देहलान – 8 थंभो की 14 हारें
  - गोल गुर्ज
  - चोरस गुर्ज

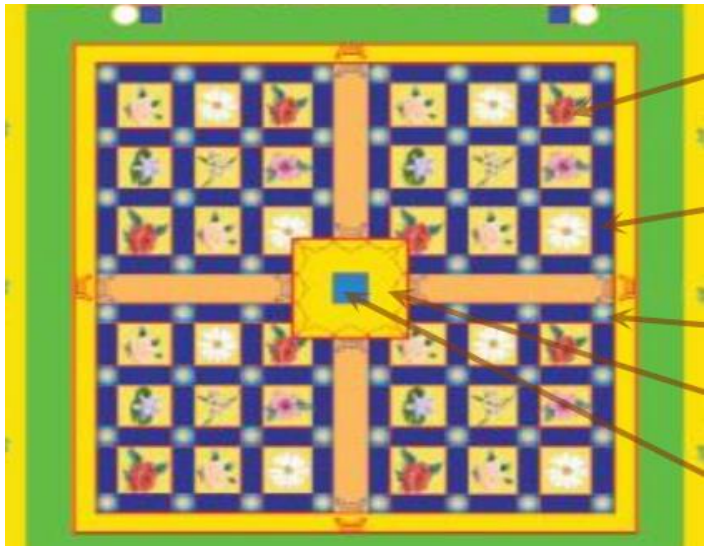

अधबीच का कुण्ड - चबूतरा की मध्य की शोभा (5 भोम तक) -

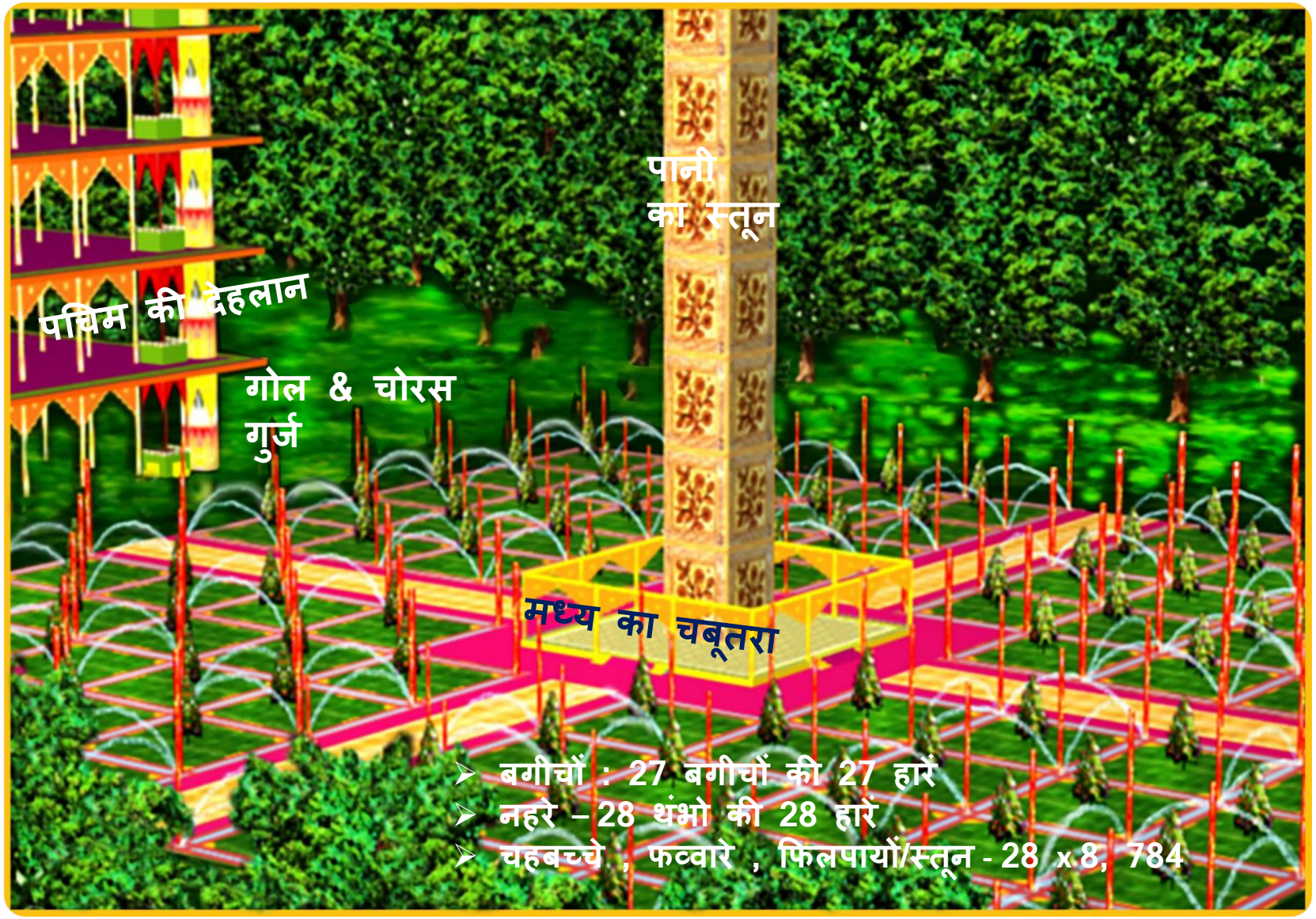

अधबीच का कुण्ड का चबूतरा

- मध्य का चबूतरा - 1200 कोस लम्बा चौड़ा
- पानी का स्तून
- बगीचों : 27 बगीचों की 27 हारें
- नहरे – 28 नहेर की 28 हारें
- चहबच्चे , फव्वारे , फिलपायों/स्तून - 28 x 28,784

चार नहरों के बीच में एक बगीचा 400 कोस का लम्बा चौड़ा आया है।
फीलपाये
जिससे 27 बगीचों की 27 हारें आई हैं।

अधबीच का कुण्ड – चबूतरा की शोभा (5 भोम तक)

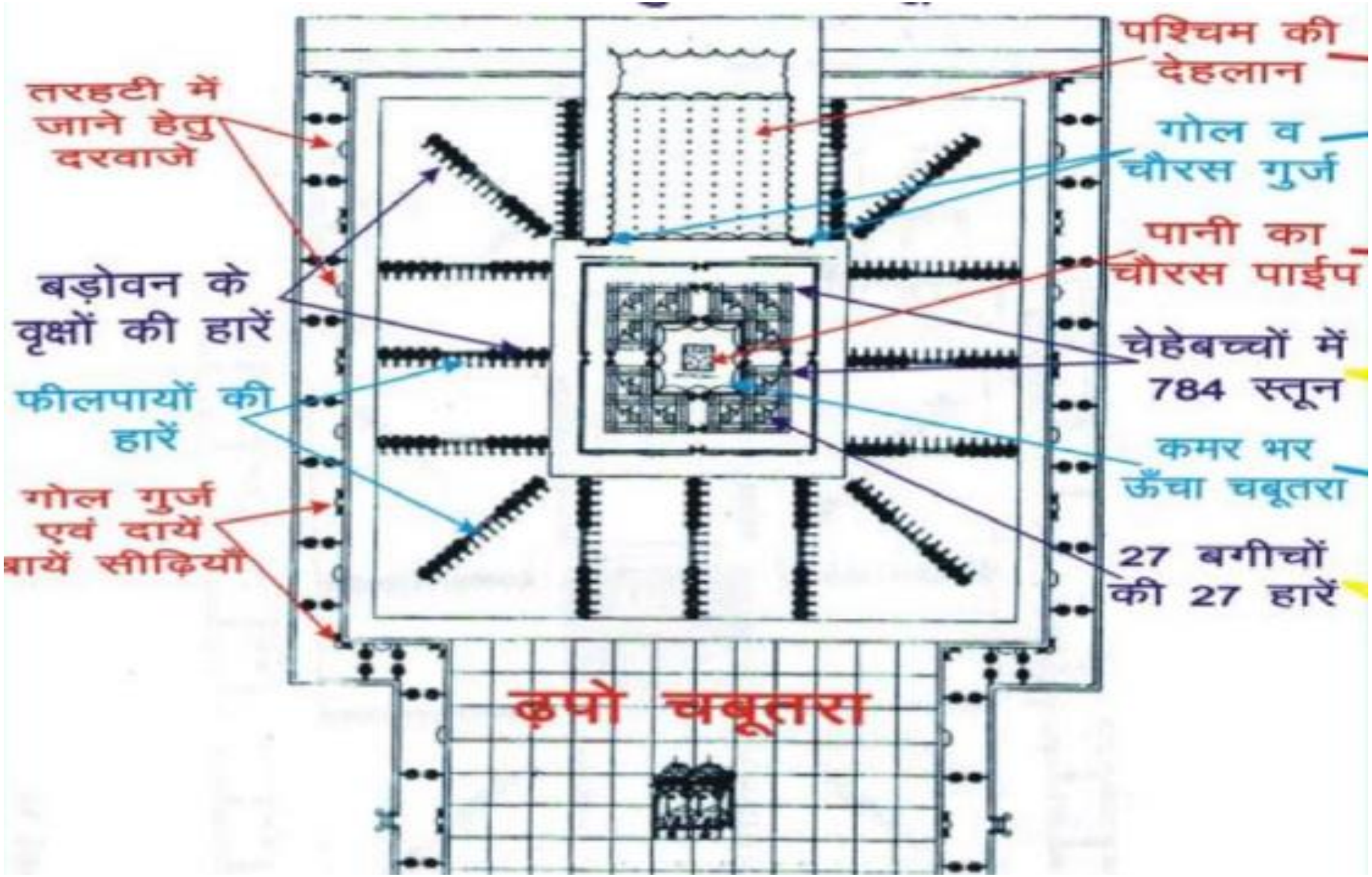

अधबीच का कुण्ड – चबूतरा की शोभा (5 भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

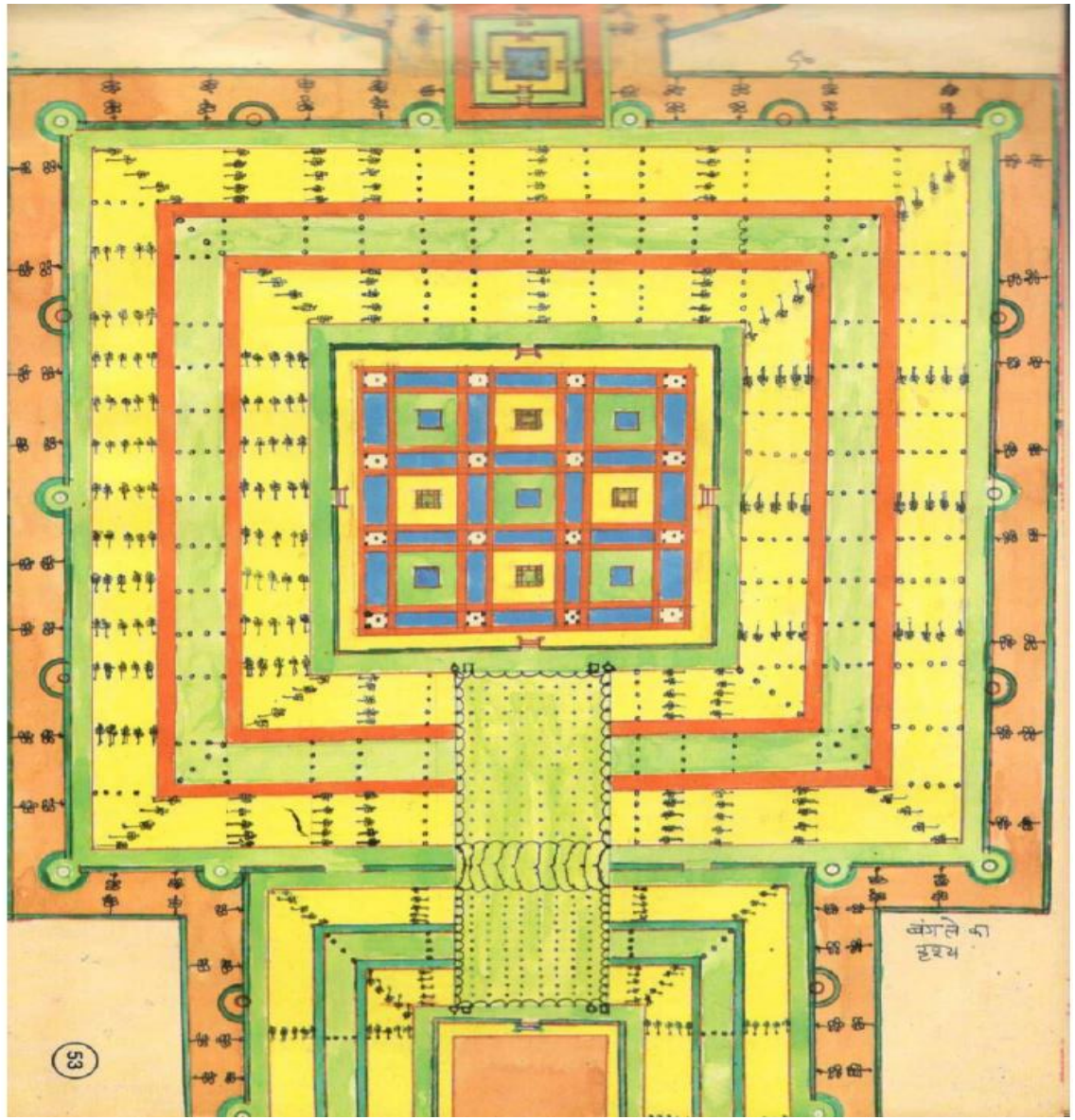

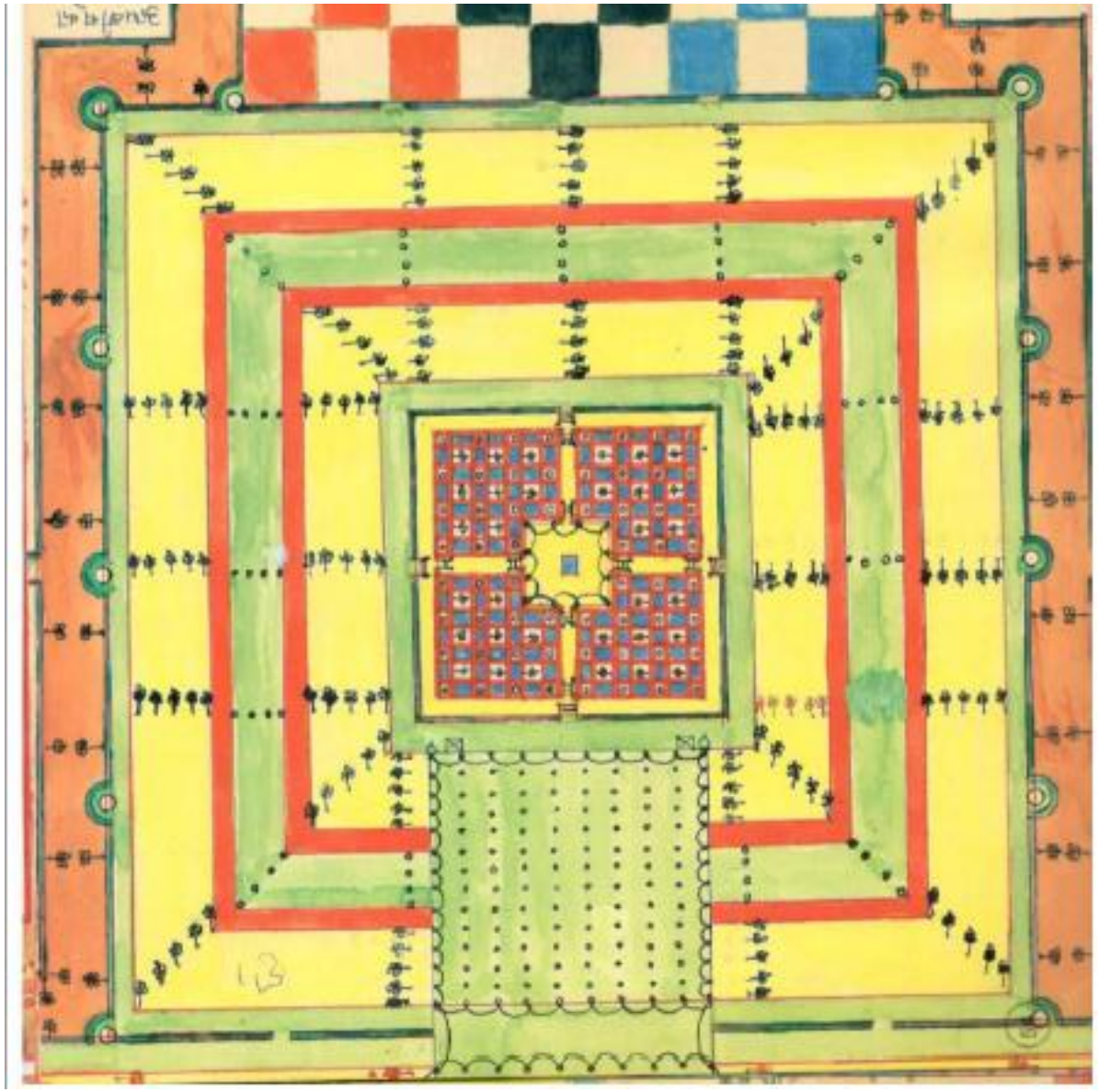

अधबीच का कुण्ड - 6th भोम की शोभा (496 भोम तक)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

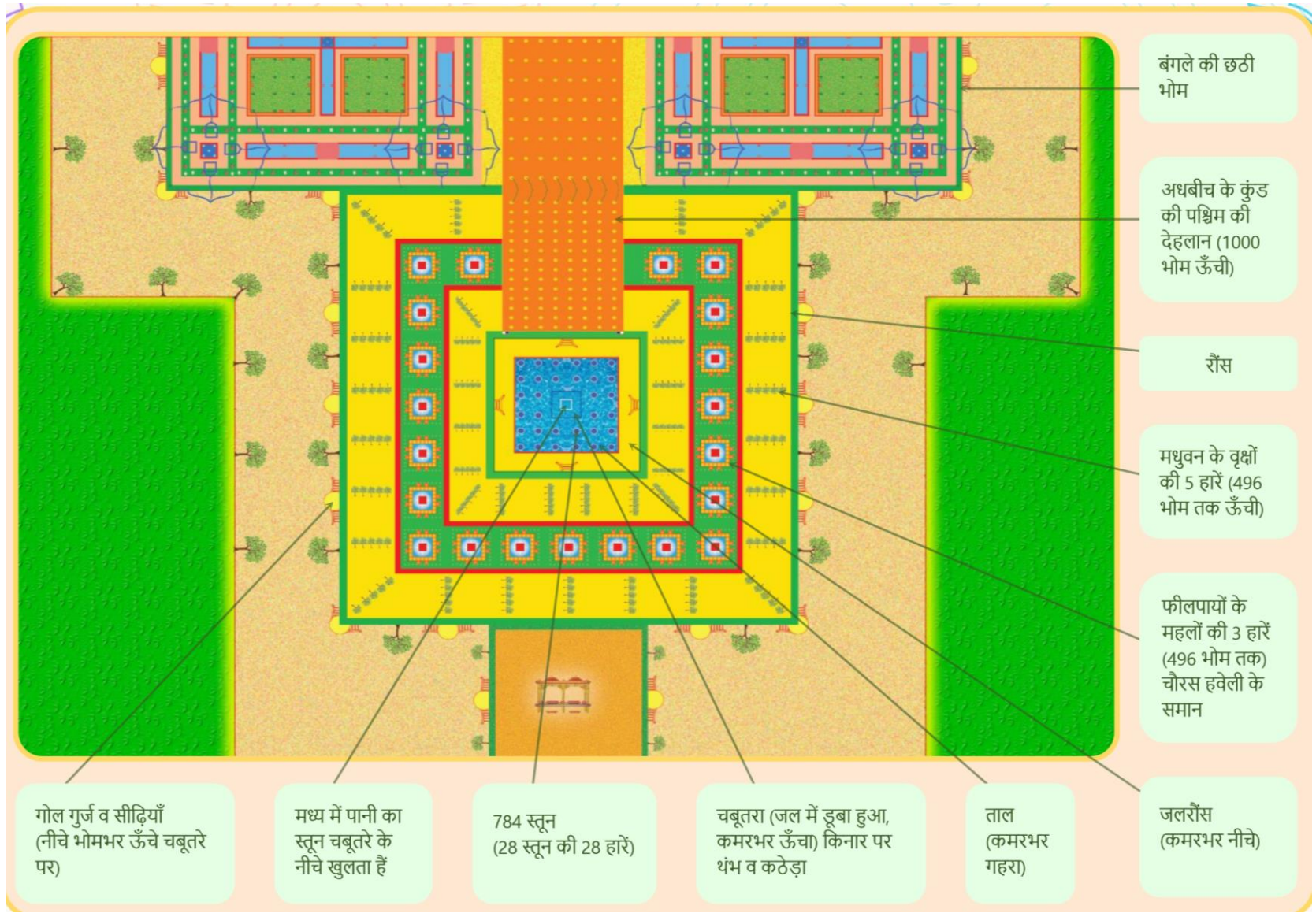

6th भोम

- मध्य का चबूतरा
- कुण्ड/ताल – 10,800 कोस लम्बा चौडा
- ताल के मध्य का चबूतरा – 3 हांस
- पानी का स्तून – खुला
- ताल के फिलपायों – 784, 28 थंभो की 28 हारें
- फिलपायों के महल – 3 हारे
- मधुवन – 5 हारें , 846-846 कोस की दूरी पर

अधबीच का कुण्ड - 6th भोम की शोभा (496 भोम तक)

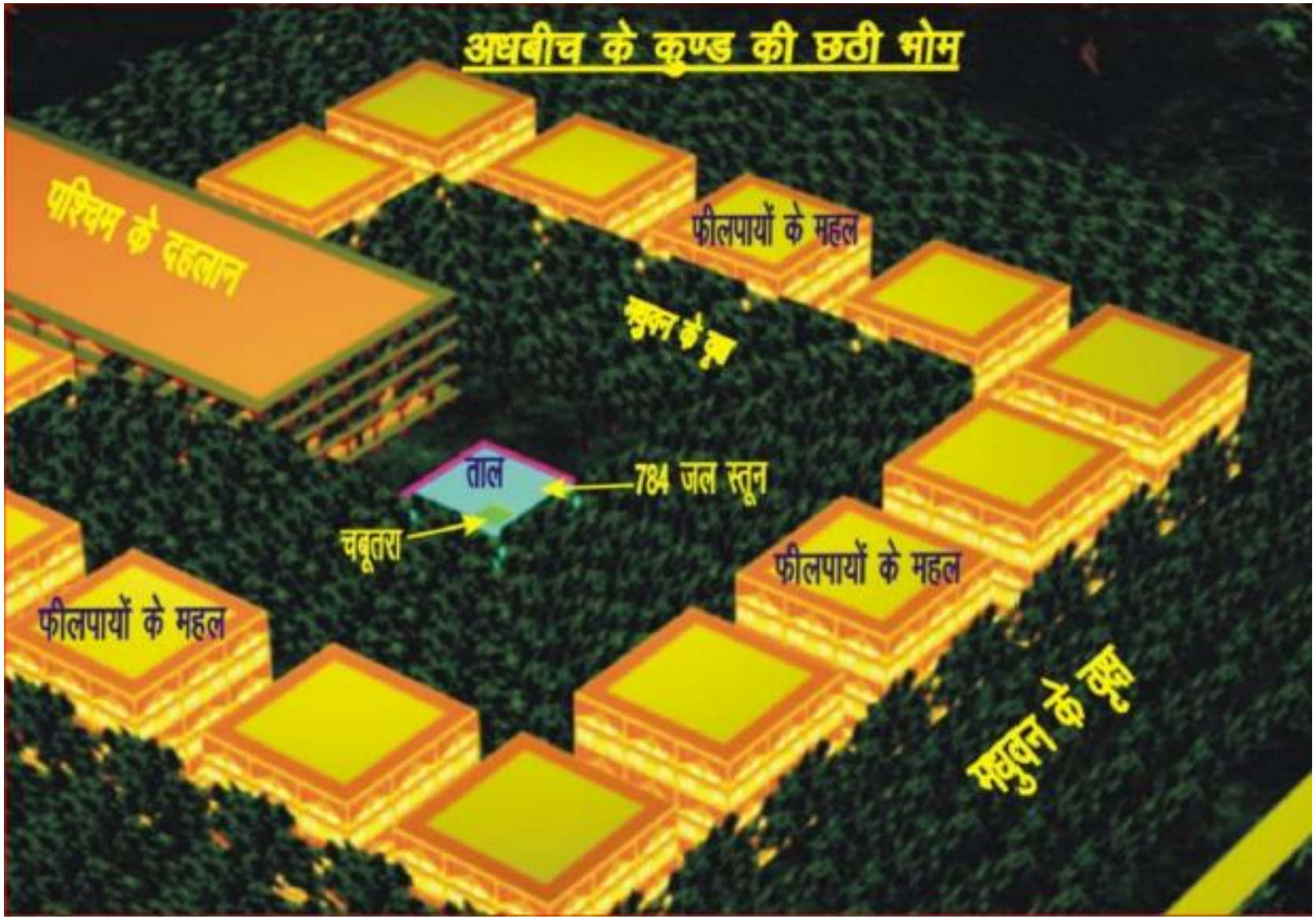

6th भोम

- कुण्ड/ताल – 10,800 कोस लम्बा चौडा
- ताल के मध्य का चबूतरा – 3 हांस
- पानी का स्तून – खुला
- ताल के फिलपायों – 784, 28 थंभो की 28 हारें
- फिलपायों के महल – 3 हारे
- मधुवन – 5 हारें , 846-846 कोस की दूरी पर

अधबीच का कुण्ड - 6th भोम के कुण्ड, फिलपाये & मध्य चबूतरे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

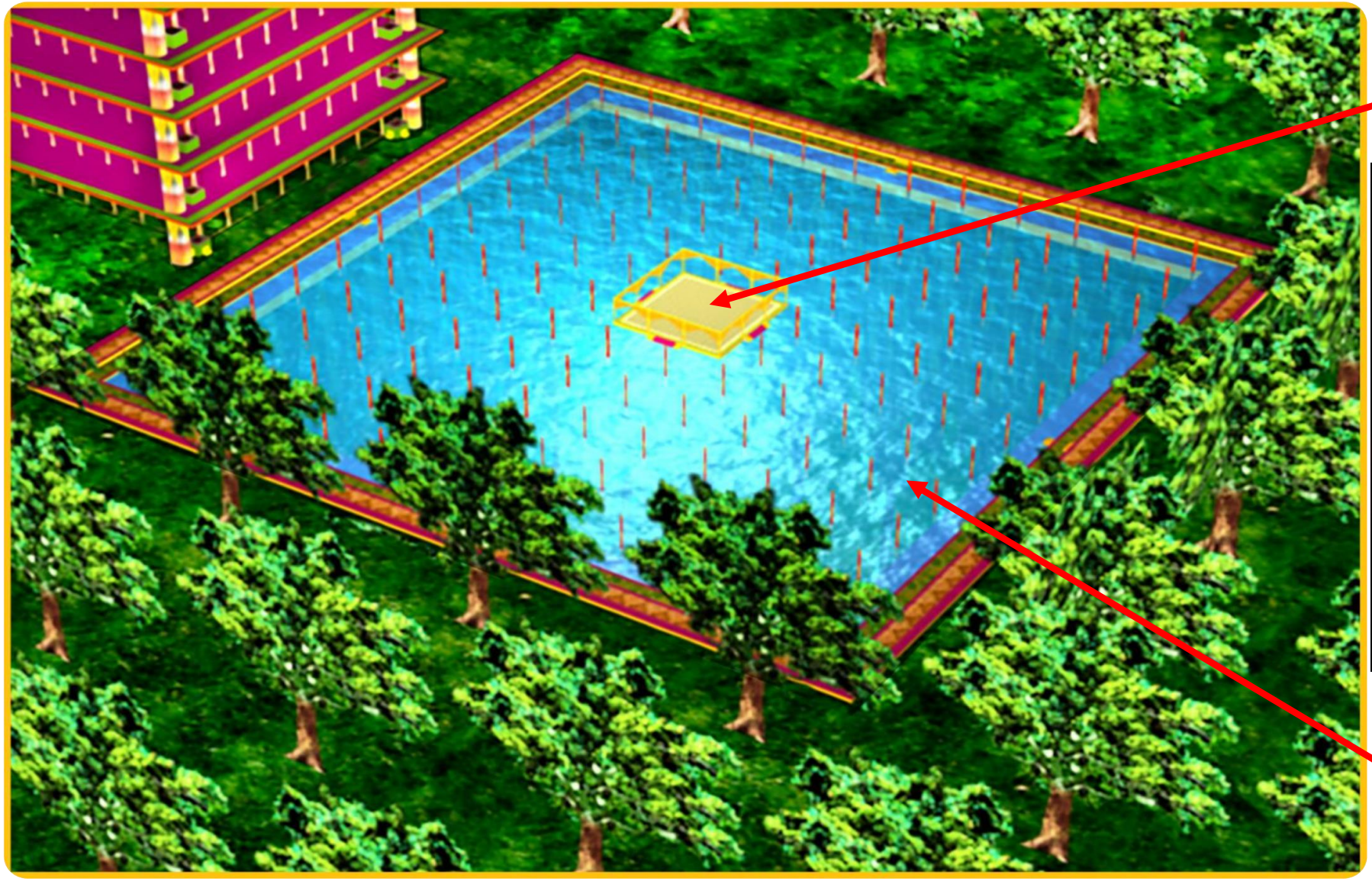

ताल के मध्य
का चबूतरा

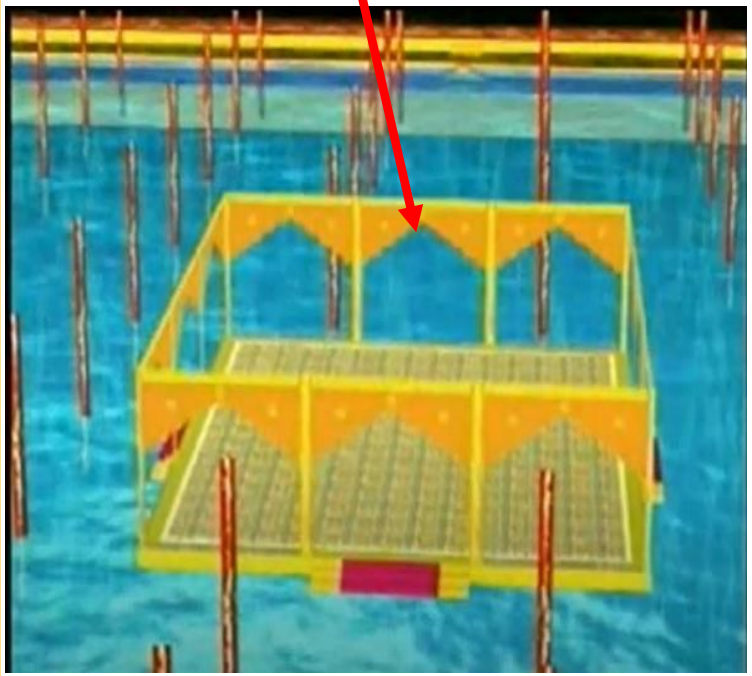

कुण्ड/ताल
फिलपायों

अधबीच का कुण्ड – 497th चादनी की शोभा

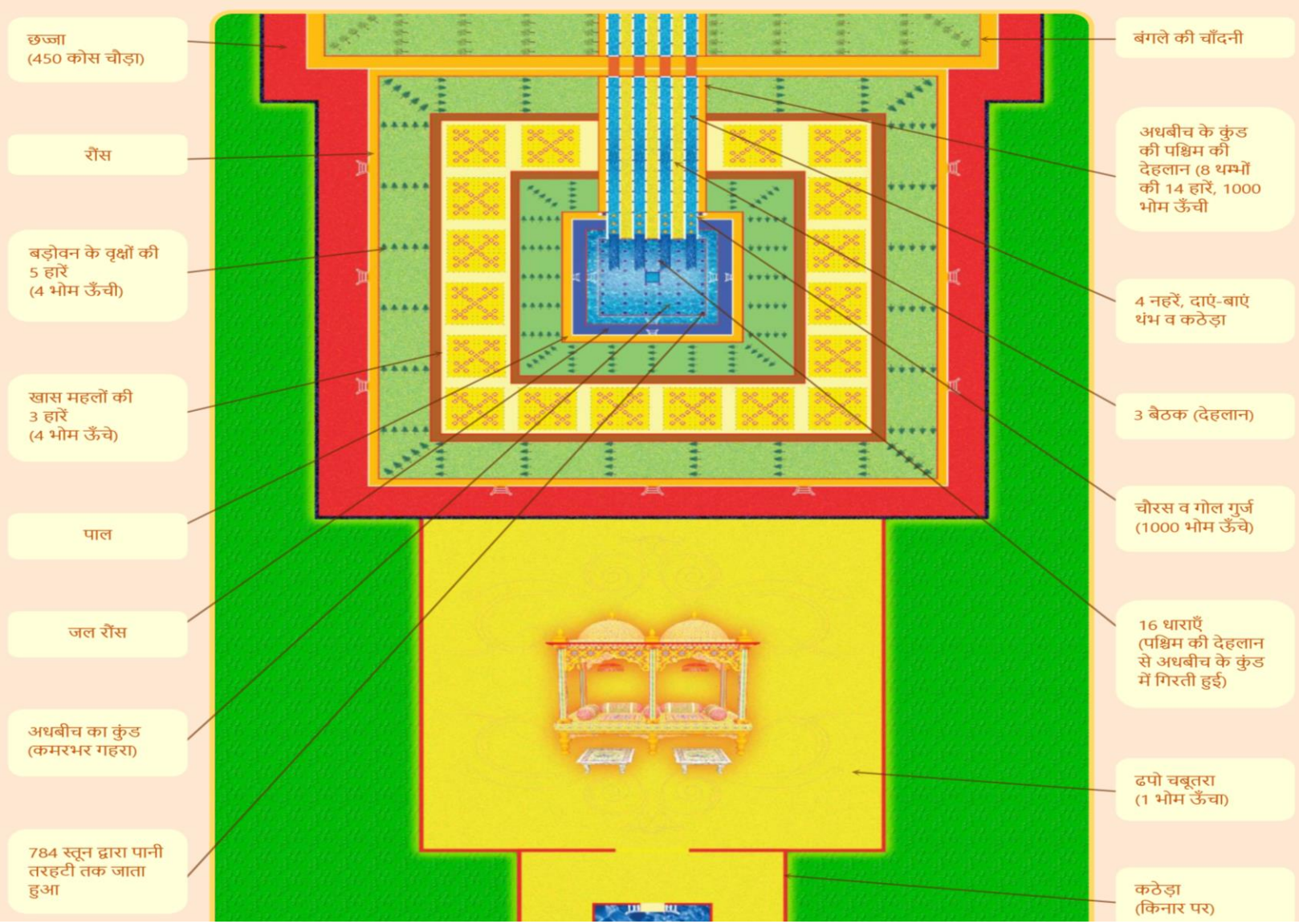

497th चादनी

- अधबीच का कुण्ड - 10,800 कोस लम्बा चौडा
- खास महल – 4 भोम , 5th चादनी, 3 हारे
- 16 धारायें
- बड़ों वन - 4 भोम , 5th चादनी, 5 हारें
- पचिम की देहलान – 8 थंभो की 14 हारें
  - गोल गुर्ज
  - चोरस गुर्ज

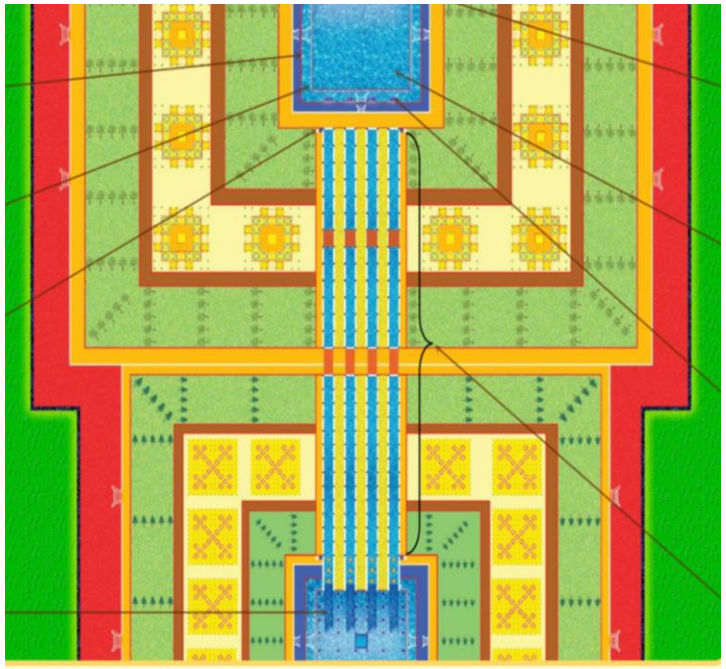

अधबीच का कुण्ड - 497th चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

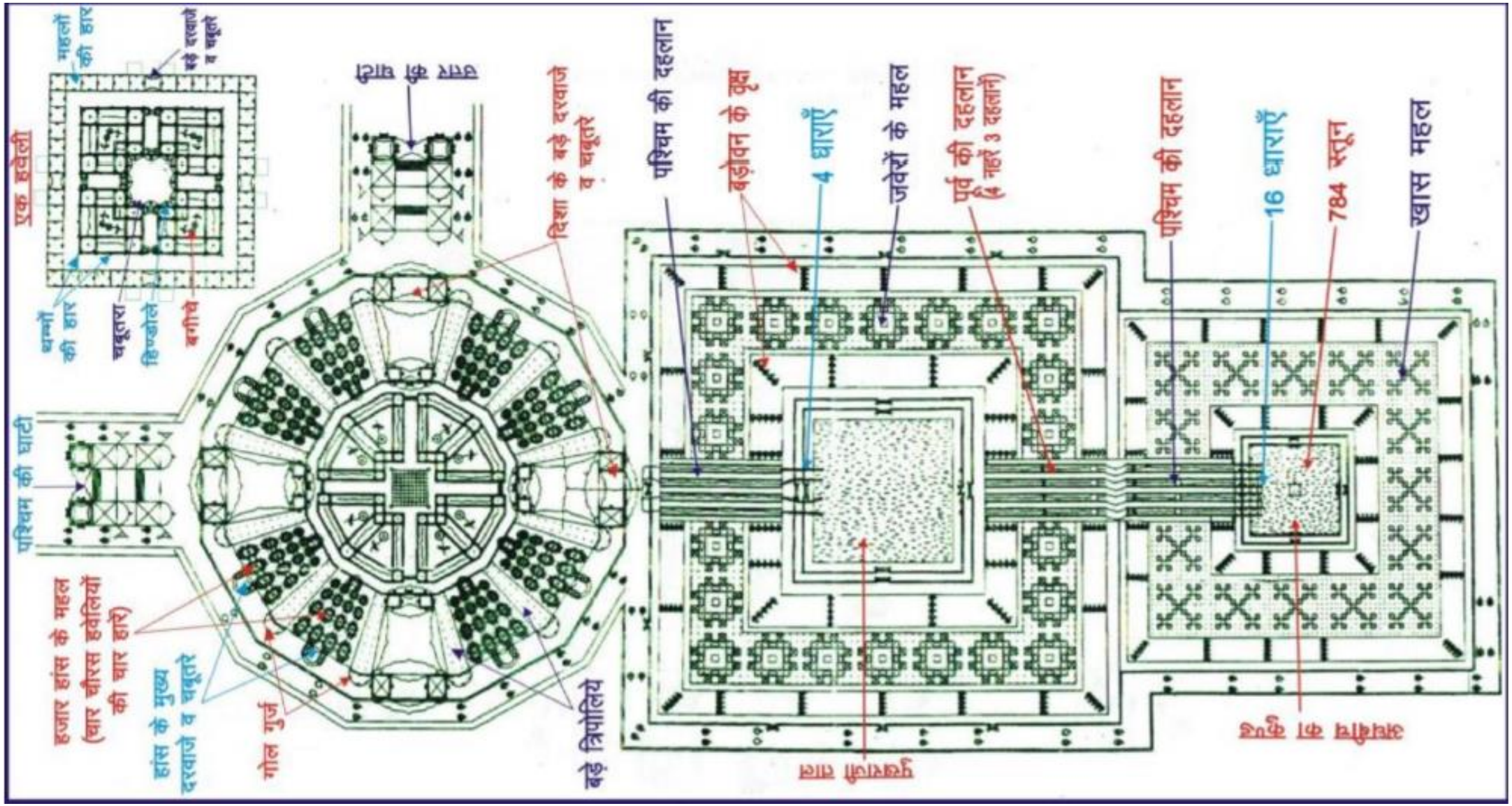

अधबीच का कुण्ड - 497th चादनी की शोभा

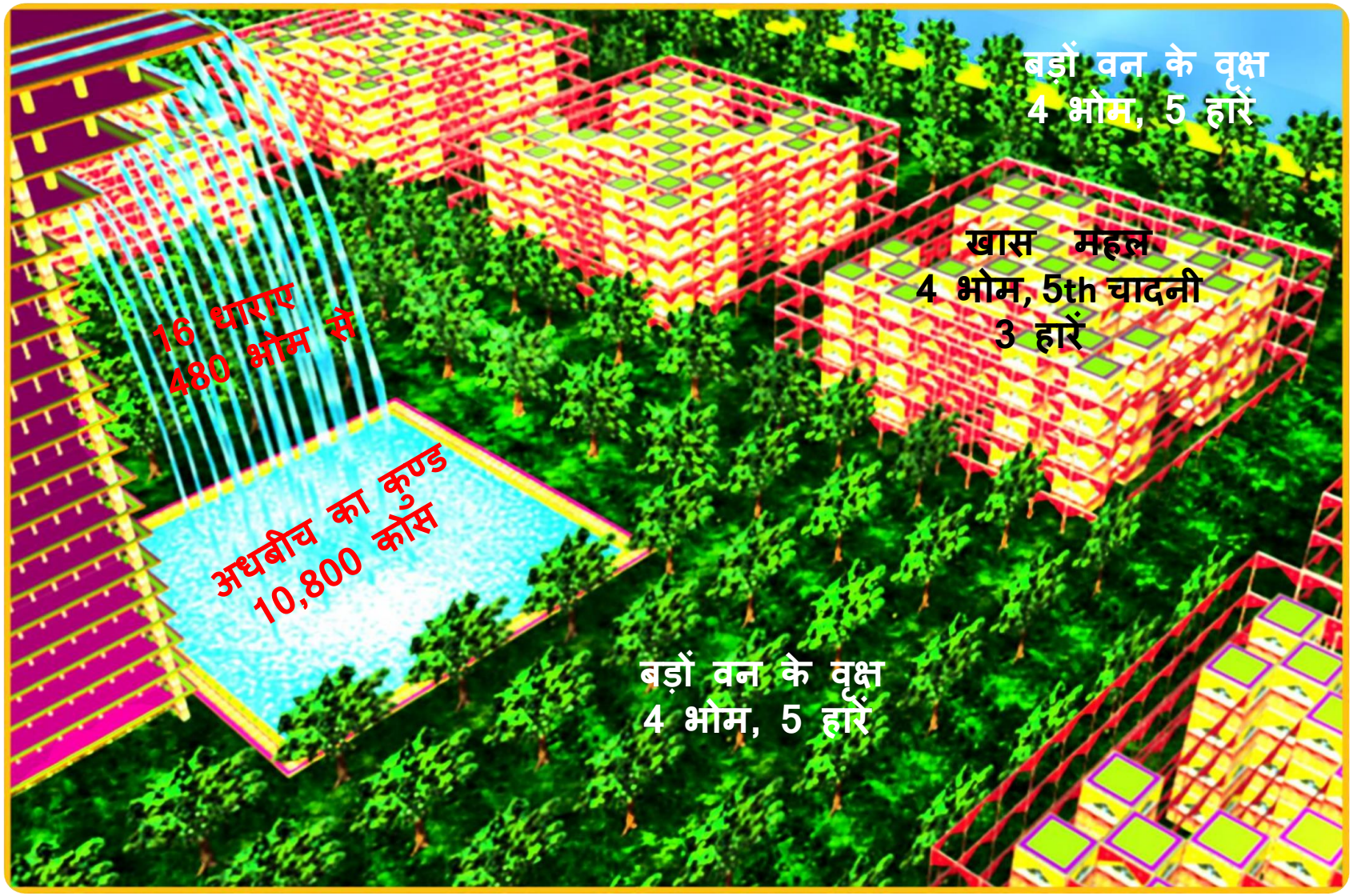

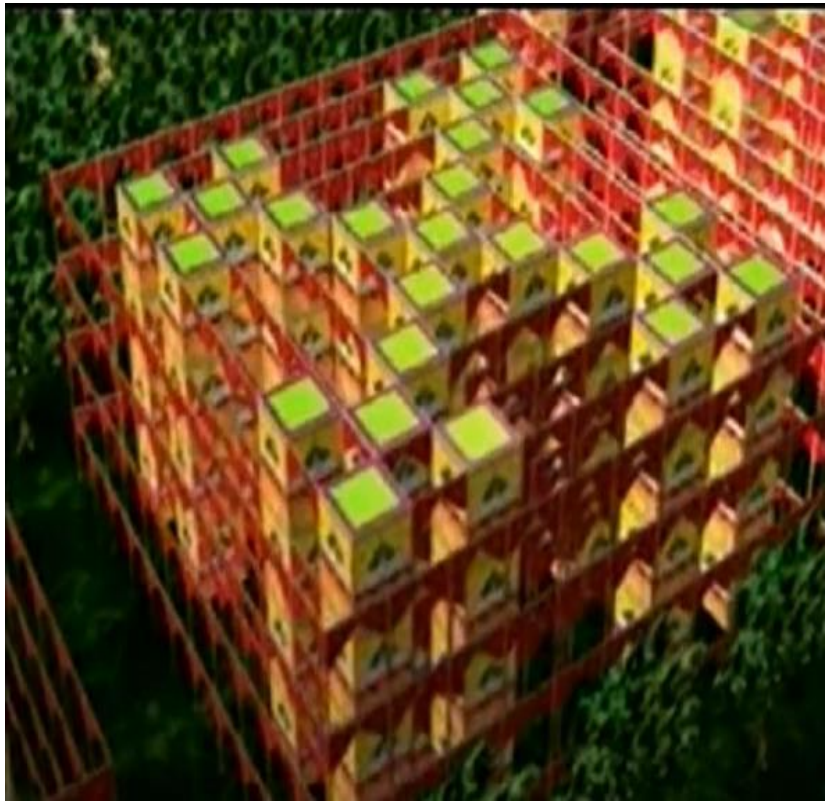

खास महल
4 भोम , 5th चादनी

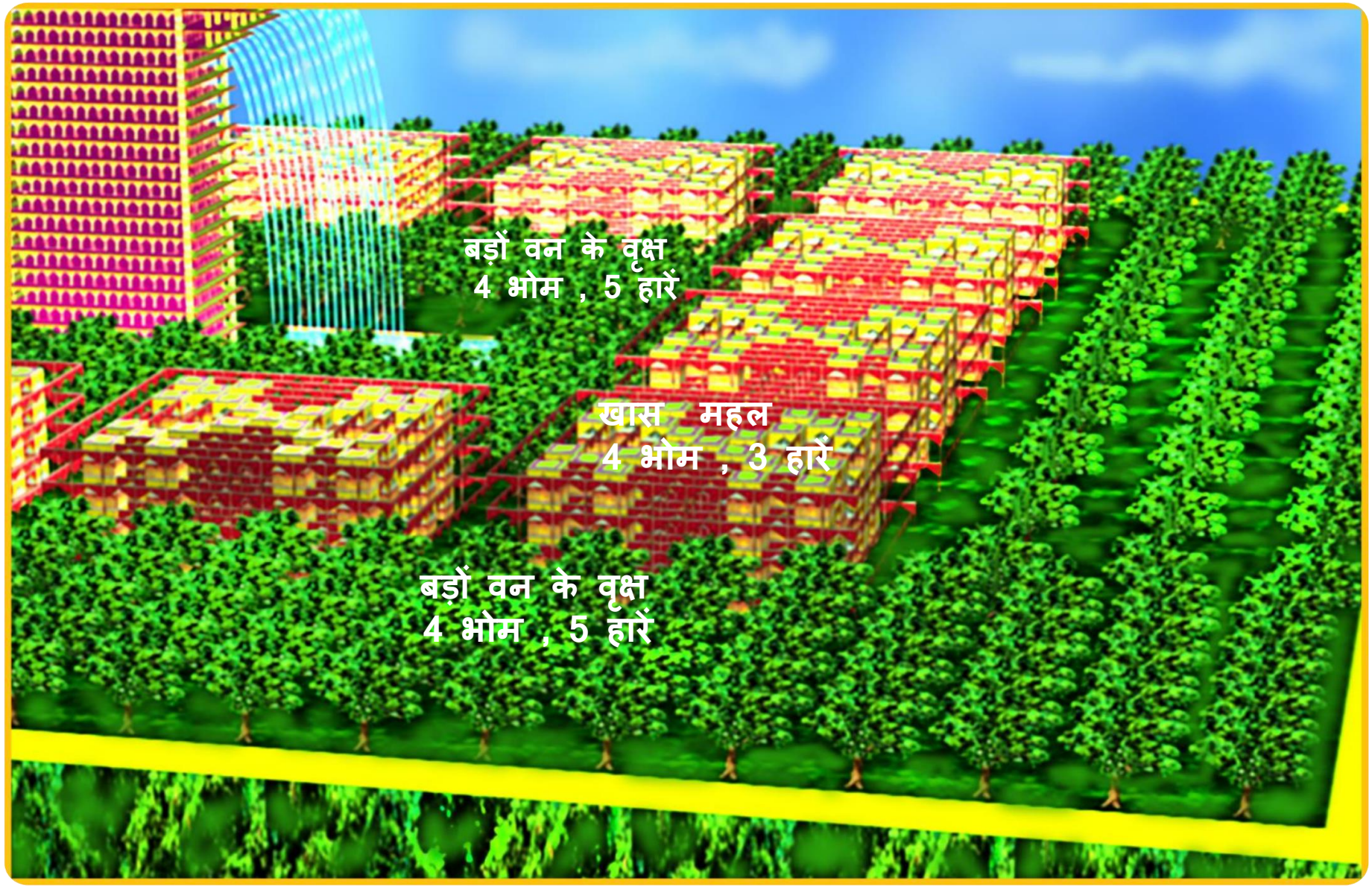
बड़ों वन के वृक्ष
4 भोम , 5 हारें
खास महल
4 भोम , 3 हारें
बड़ों वन के वृक्ष
4 भोम , 5 हारें

अधबीअधबीच का कुण्ड – 497th चादनी की शोभा , पचिम की देहलान

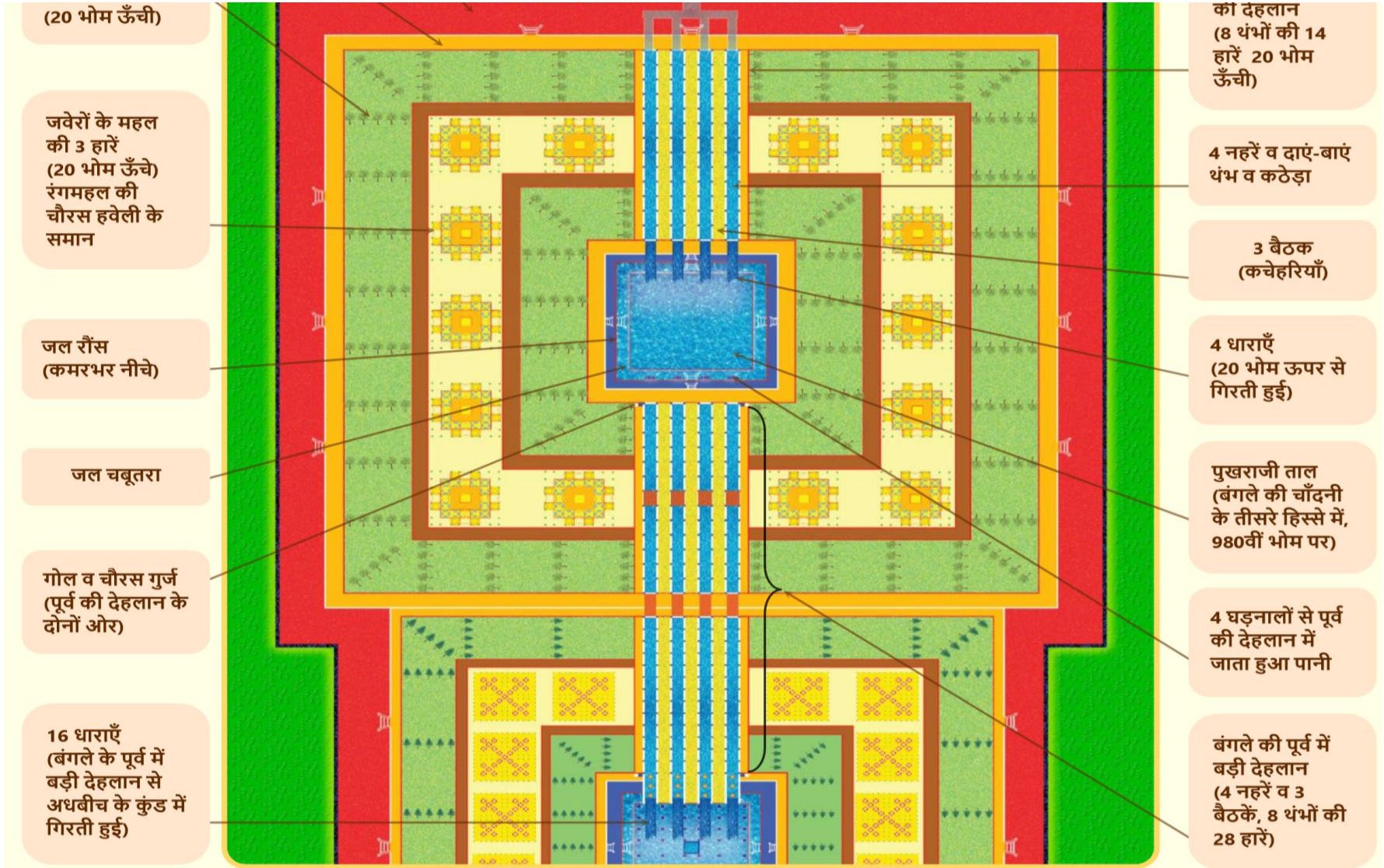

अधबीच का कुण्ड – 497th भोम चादनी की शोभा , पचिम की देहलान

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

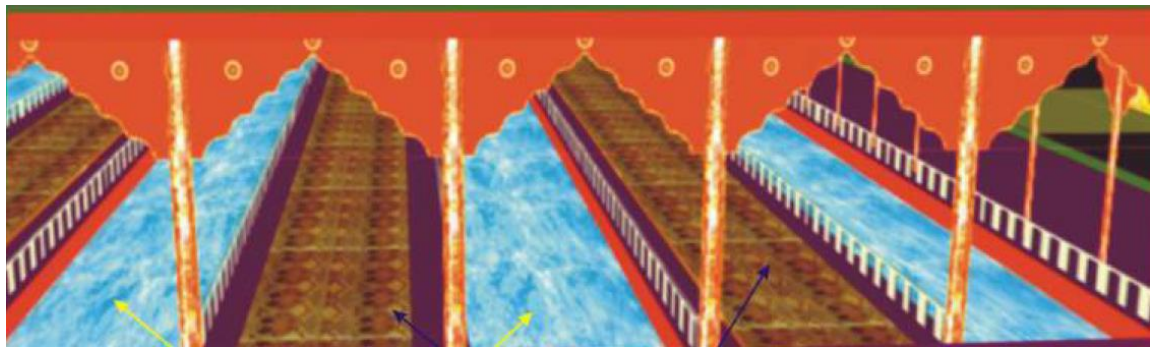

अधबीच का कुण्ड - 497th चादनी में 16 धाराएं की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

दोऊ गुरज बीच बड़े देहेलान, जित सोले जालीद्वार ।
थंभ झरोखे दोऊ तरफों , ऐ शोभा अति अपार ।।

इत जल गरजत , देखो श्रवनों दे सुख।
कै मिहीं बूँदे फुही उछरत , होते चेहैन देखे सुख।।

अधबीच का कुण्ड – -497th चादनी में 16 धाराएं की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

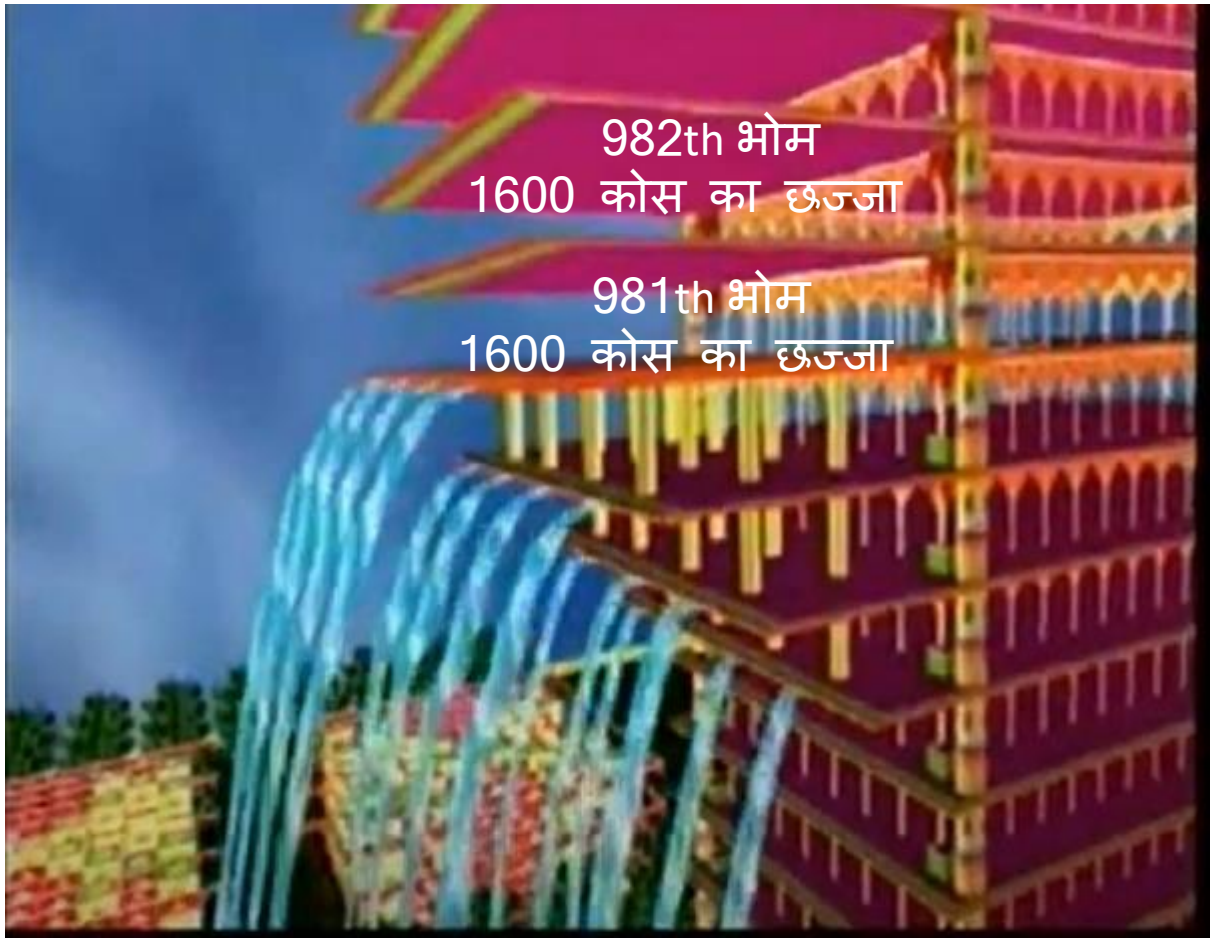

गुरज दोऊ के बीच में , गिरत चादरें चार ।
सो चार चार हर एक में , उतरत सोले धार ।।

देहेलानों से 16 झरनों के रूप में गिरता पानी

1000th भोम
पचिम की देहलान
अधबीच का कुण्ड
497th चादनी

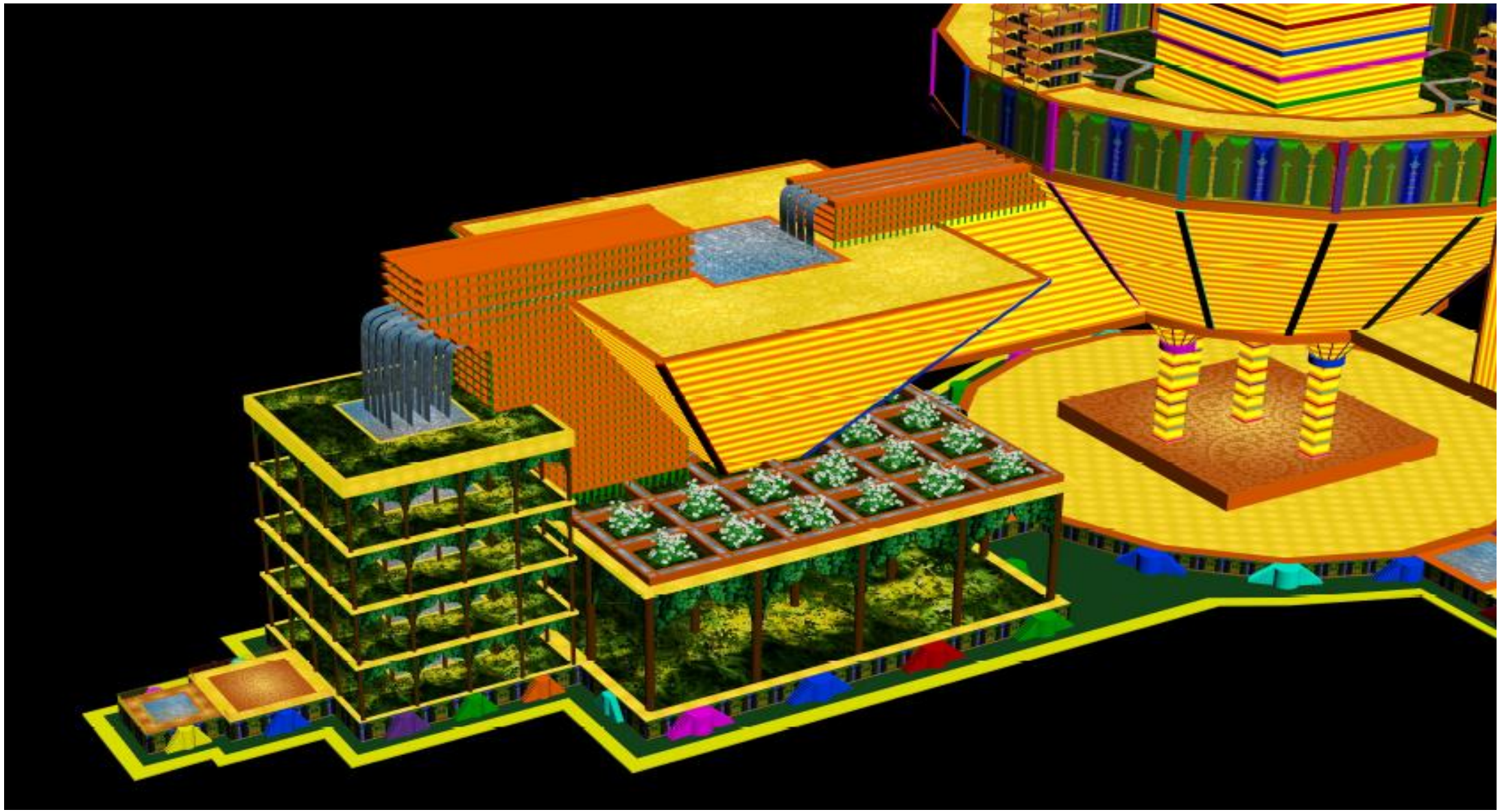

चांदनी
आकाशी महल
महावन
पुखराज की चांदनी में बगीचे
उत्तर व पश्चिम की घाटी (सीढ़ियाँ)
हजार हांस के महल
4 धाराएँ
पुखराजी ताल
16 धाराएँ
अधबीच का कुण्ड
पुखराज का चबूतरा
घाटी का चबूतरा
5 पेड़

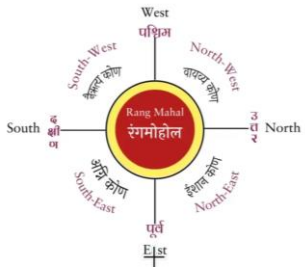
West
पश्चिम
South-West
नैऋत्य कोण
North-West
वायव्य कोण
South
दक्षिण
North
उत्तर
Rang Mahal
रंगमोहोल
अग्नि कोण
South-East
ईशान कोण
North-East
पूर्व
East

अधबीच का कुण्ड की लीला

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

गुरज दोऊ के बीच में, गिरत चादरें चार ।
चार चार हर एक में, उतरत सोले धार ॥
सो परत बीचले कुंड में, इत चारों तरफों देहेलान ।
ए सुख कब हम लेयसी, इन मेले साथ मेहेरबान ॥

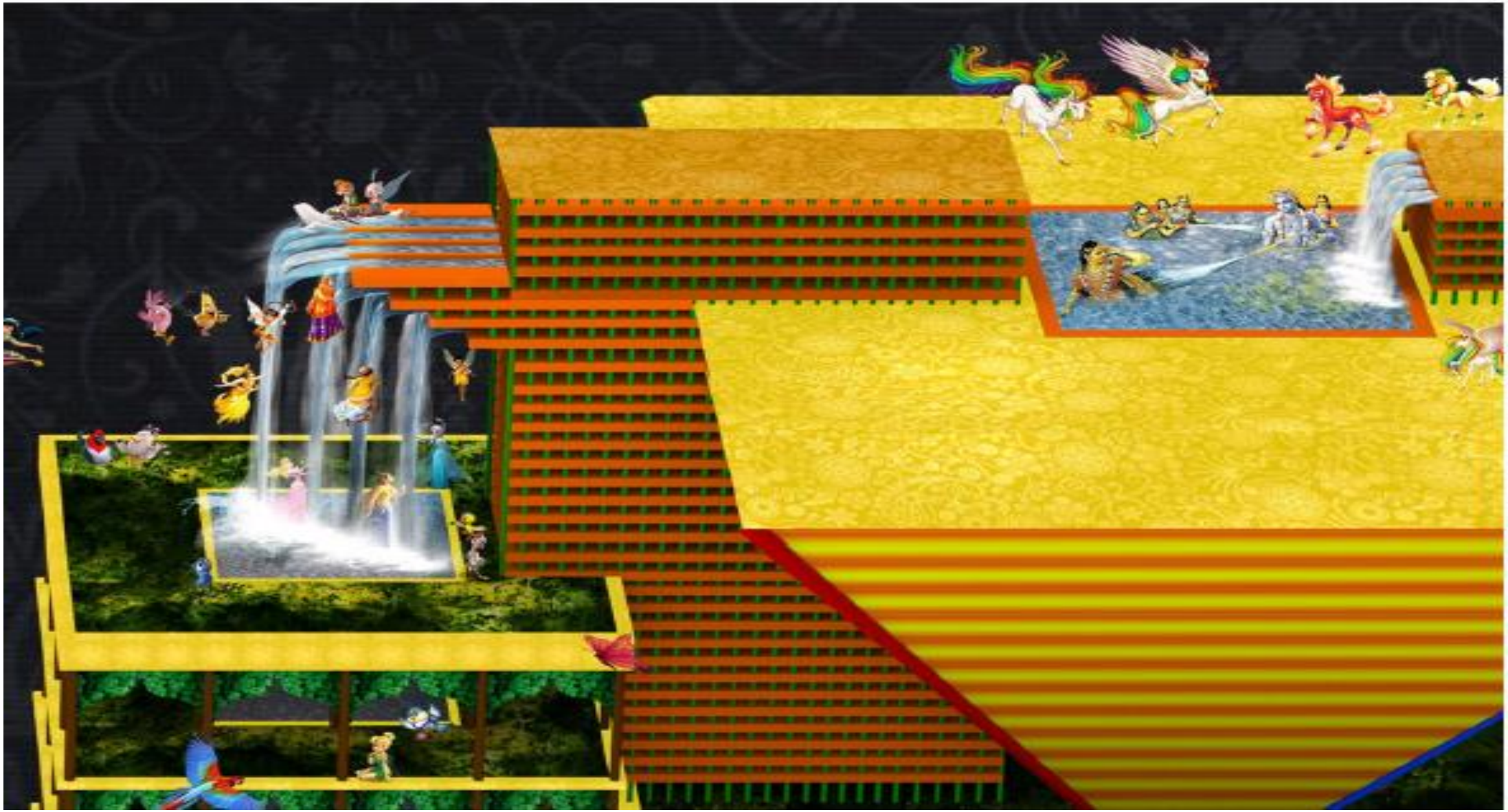

OR

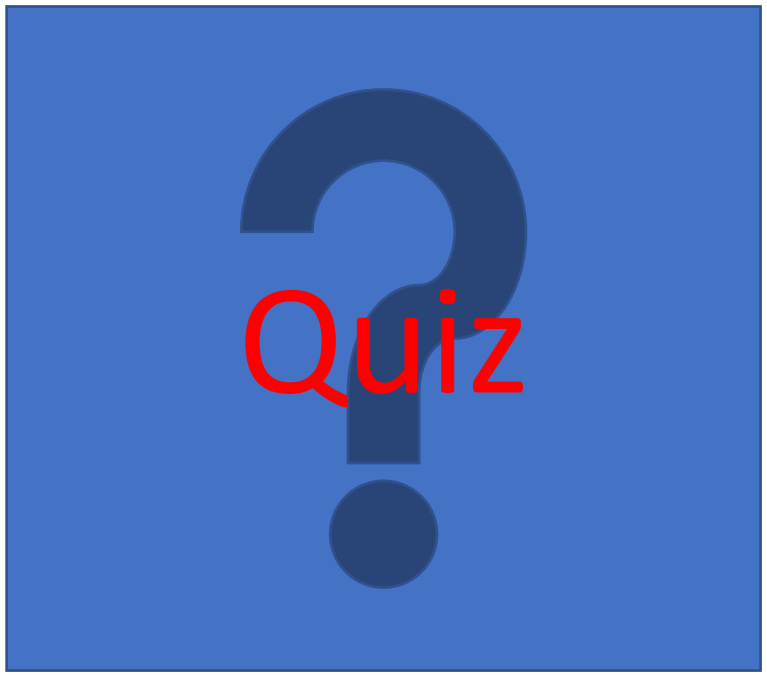

Pranamji – प्रणामजी